INTERNATIONAL CONFERENCE ON INNOVATIONS IN ENGINEERING, SCIENCE, ARTS & HUMANITIES (ICIESAH – 2021)
28TH FEBRUARY, 2021

**CERTIFICATE NO : ICIESAH /2021/C0221123**

# सिंचाई व्यवस्था सुधार में संस्थागत ऋण का योगदान

## शिव कुमार मौर्या

शोध छात्र, अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग,
डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या (यू. पी.)

**ABSTRACT**

बस्ती जनपद, उत्तर प्रदेश में सिंचाई प्रणालियों के सुधार पर शोध एक महत्वपूर्ण विस्तार प्रस्तुत करता है। यहां कृषि उत्पादकता, सामाजिक-आर्थिक विकास, और पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार के अवसर हैं। क्षेत्र जल संकट और अप्रभावी जल प्रबंधन से जूझ रहा है, जिससे फसलों की उपज और किसानों की आजीविका प्रभावित हो रही है। शोध का विस्तार नवाचारी प्रौद्योगिकियों की जांच, स्थानीय समुदाय की अनुकूलित अधिगम, और नीतियों और प्रथाओं का विश्लेषण पर केंद्रित है। इसके माध्यम से सिंचाई क्षमता के वृद्धि, कृषि उत्पादन का सुधार, और जल संसाधन प्रबंधन में सुस्त विकास को सुधारा जा सकता है। इस शोध से स्थानीय

किसानों को नई प्रौद्योगिकियों के लाभ और उनके अनुकूलन के माध्यम से बेहतर मुआवजे देने में सहायता प्राप्त हो सकती है। यह समुदाय के लिए भी एक सामाजिक और आर्थिक सुधार का संकेत हो सकता है, जिससे स्थानीय गांवों की प्रगति में सहायता मिल सके।